

संकेतार्थ

क। सामान्य, अपूर्ण या पूर्ण संकेतार्थ का इस्तेमाल करके निम्नलिखित वाक्यों को दुबारा लिखें।

उदाहरण – तारे और चंद्र चमाकते हैं। रात को उन से लोगों को थोड़ी रोशनी मिलती है।

→ अगर तारे और चंद्र न चमकते तो लोगों को रात को थोड़ी रोशनी भी न मिलती।

१. बच्चे मन लगाकर नहीं पढ़ते। बच्चों को बुरे अंक मिलते हैं।
२. मेंढक मलाई से भरी हुई बाल्टी में कूदकर आ गए। अभी मेंढक डूब रहे हैं।
३. रेगिस्तान में सख्त गर्मी पड़ती है। रेगिस्तान में पेड़-पौधे नहीं उगते।
४. महेश ने साहित्य के इम्तहान के लिए तैयारी नहीं की है। वह इम्तहान में पास नहीं हुआ।
५. मैं अभी एक अहम पत्र लिख रहा हूँ। मैं तुम्हारे साथ खेल नहीं सकता।
६. हमारा नौकर बीमार पड़ गया है। आज माँ को ही दोपहर का खाना बनाने की ज़रूरत है।

ख। सामान्य, अपूर्ण या पूर्ण संकेतार्थ का इस्तेमाल करके खाली जगहें भर दें।

१. अगर अभी बारिश न तो मैं छाता क्यों? होना – लेना
२. अगर कोरोना वायरस दुनिया में न तो लोग बिना किसी दिक्कत के यात्रा कर। फैलना – सकना
३. यदि अफ्रीका में बर्फ तो लोगों को बड़ा आश्चर्य। पड़ना – होना
४. यदि बच्चों को नाश्ते में कुल्फी तो वे बहुत खुश। मिलना – होना
५. अगर मैं कल तुम्हारे साथ महेश की पार्टी में तो आज ज़रूर थकी। जाना – होना
६. बहन इस समय फिल्म न तो तुम्हारे साथ गेंद। देखना – खेलना

ग। संकेतार्थ का सही रूप चुनकर खाली जगहें भर दें।

१. अगर कल शीला देर से सोने न तो आज बिना किसी परेशानी के
२. यदि वयस्क लोग बच्चों के कहने पर ध्यान तो वे उनको बेहतर
३. अगर सिंघ का अयाल न तो यह अजीब
४. काश! मैंने तुम से शादी न
५. अगर पिता जी ने नई गाड़ी तो हमको इसी पुरानी बस से जाना न
६. यदि सुरेश जापान न तो वह अपने माता-पिता की मदद जरूर

खरीदी होती करता होता लगता देते उठ जाती गया होता होता की होती
गई होती समझते पड़ता

घ। सही संकेतार्थ का इस्तेमाल करके वाक्यों का अनुवाद करें।

१. Gdyby wszyscy ludzie dobrze się traktowali, to świat byłby piękniejszy.
२. Gdybym tak nie dostała była tego listu, to nie musiałabym teraz jechać do Delhi.
३. Gdyby w miejskim zoo były tygrysy, to na pewno poszlibyśmy je zobaczyć.
४. Gdybyśmy właśnie nie zajmowali się dziećmi, to moglibyśmy się spotkać z przyjaciółmi.
५. Ach, gdybym tak mogła pojechać do Indii!
६. Gdybym mógł wybrać jakieś miasto na świecie, to chciałbym mieszkać w Udaipurze.